



# صبح صادق اذق کاظہو

یقیناً سمجھو کہ نصرت کا وقت آگیا۔ اے گا کہ یار دشمنی کی مدت سے نہیں اور نہ کسی مفصلیہ کے اس کی بنا  
ذالیہ پر ہے (یہ صبح صادق ہم پر ہوئی ہے جس کی پاک و شرف میں پہلے سے غیر دی گئی تھی) (۱۲۱۵ھ و ۱۲۱۶ھ)



بانی سلسلہ احمدیہ حضرت مرزا قلام اللہ مسیح موعود و مہدی جلیل القدر و السلام







# تحریر کے لئے دعا

## دعا نے مردِ مومن سے بدل جاتی ہیں تقدیریں

از حضرت خواجہ مبارک حسین صاحب مدظلہ العالی

(۳۲)

سہرا تک اور گراں پلے کر آگے بڑھیں  
 ہر لمحہ وہاں پہنچیں وہاں پہنچیں  
 کہ نہیں سکتی کوئی انکار عالم ہے گواہ  
 جو کہتا ہے اس کے آخر کو دکھایا ! لیکن  
 ذاتِ باری کی رضا ہر دم وہی پیش نظر  
 خلق کی ہوا کی خدمت سے منہ نہیں  
 پھر کہہ سکتے ہیں ابدی کے قدم اس کے قریب  
 عین کوئی پر ہوتے مجھ کو اس کے قریب  
 رشتوں کے جوار پہنچاتی ہر سانسِ حراوتِ عالم  
 پلست پر اٹھتے رہتے ہر وقت وہاں پہنچیں  
 ایسا ایسا ہے جس سے ہر لمحہ ہر لمحہ جگر  
 صبر سے مست ہوتا ہے پانی آیا نہیں  
 کہتا ہوں کہ گھر گھر کی اسکو ملتی ہی نہیں  
 کس حد تک تیرے سامنے ! گروہ کی نہیں  
 جگر یا معتوب نصف شب خدا کے سامنے  
 "تسبیح اوقیٰ ہر لمحہ حق باخسودہ جیسے  
 صبر کرنا اور نہ آگیاں میں سب کا نہیں  
 ہاں کی ادنی نگاہی قول پر ادا نہیں  
 اور یہ وہی کی شہد ہے وہ سولی نہ نکلا  
 خونِ طحطاہ میں "تسبیح اوقیٰ ہر لمحہ نہیں  
 آج لڑائی میں کھڑے زانی ہمارے  
 دھڑکی اور ان جہت سے رہے جا کر نہیں ؟  
 قوم اسودہ جاگ کر بھی جاگ اس کے سامنے  
 اکی گشتِ فاقہ جو تیرے قدم سے صبا نہیں

(۳۱)

یاد ہے میرے لئے سوس و پانچ سو سال  
 وہ وقت جس میں جس نے جس نے  
 دیکھتے تھے تیری ہر کہ کو رعیت ہو گئی  
 تھیلے بٹالیاں ہمارے گھر کو دور آگے نہیں  
 پاتے تھے وہ تھیلے ہمارے ہاتھوں میں نہیں  
 سارے کی ہاتھوں میں ہمارے ہاتھوں میں نہیں  
 جہرِ افسوس کے قریب وہاں نہیں کی جواب  
 ہر لمحہ ملتی رہے اس کے سامنے ہر لمحہ نہیں  
 جس وقت کہہ سکتے تھے ہر لمحہ نہیں  
 کس پر سہیلہ جہنم ہوا ہر لمحہ نہیں  
 صبر نہیں ہر لمحہ نہیں ہر لمحہ نہیں  
 اس کے سامنے ہر لمحہ نہیں ہر لمحہ نہیں  
 وہ لب ہاں لکھ کر قدم ہاتھوں میں نہیں  
 ہجر کے ابدی کو اب کوئی نہ سے کس نہیں  
 کون دیکھتا ہے کہ ہم کو آگے نہیں  
 ہر لمحہ نہیں کہ ہمارے ہاتھوں میں نہیں  
 ہر لمحہ نہیں سے کون سے کون سے کون نہیں  
 ہر لمحہ نہیں سے کون سے کون سے کون نہیں

(۳۰)

کس پر ان شعلے بھڑک رہے ہیں  
 کس پر ان شعلے بھڑک رہے ہیں  
 کس پر ان شعلے بھڑک رہے ہیں  
 کس پر ان شعلے بھڑک رہے ہیں  
 کس پر ان شعلے بھڑک رہے ہیں  
 کس پر ان شعلے بھڑک رہے ہیں  
 کس پر ان شعلے بھڑک رہے ہیں  
 کس پر ان شعلے بھڑک رہے ہیں  
 کس پر ان شعلے بھڑک رہے ہیں  
 کس پر ان شعلے بھڑک رہے ہیں

یہ دعا نے دروہلِ سالم رہے قائم رہے  
 یہ دعا نے اسدِ مہتابی نویدِ اولین  
 آمین

دعا میں شریعت























ہوتی ہے۔ اور یہ بات تو میں نے پہلے مساجد کے متعلق بیان کی ہے  
لیکن جب یورپ میں اڑھائی سو مساجد تعمیر ہو جائیں گی تو یورپ کے  
سارے کھانوں تک

نعرہ ہائے تکبیر کی صدا میں بلند ہوں گی

اور وہ نعرہ ہائے تکبیر ایسے ہوں گے کہ ایک مسجد کی آواز دوسری  
مسجد تک پہنچے گی اور پھر قریب کے علاقوں میں پہنچے گی  
اور یورپ والے کہیں گے کہ اب اسلام غالب ہو گیا ہے اور وہ  
اسلام کے مقابل میں اپنے ہتھیار جمع کر دیں گے۔ ان کا یہ غرور  
جائز ہے گا۔ اور وہ خود اقرار کریں گے کہ اب اسلام غالب ہو گیا ہے  
تو وہ دلاور ہائے حق میں کے متعلق حیرت سے سرور و خیر و عافیت  
داستادم نے لکھا تھا کہ

قرین اسلام میں داخل ہوں گے

پھر ہم ہر یک کی طرف منہ ہوں گے اور وہاں ہر ایک کو مساجد میں لے جائیں گے

نہج پر چمکا کہ آواز وہ آواز پہنچتی چلی جائے گی۔ تم دیکھو۔ یہ ایک  
چھوٹا سا قلعہ ہے لیکن یہاں جب مسجد مبارک میں تلاوت کی آواز بلند  
ہو تو سب قوم مد سے منہ پر جھپٹتے ہیں۔ اب جب دوسری مساجد سے  
یہ تلاوت کی آواز آئے گی تو قوم سے ٹھہر کر آواز بلند کی اور یہ تلاوت  
کی ایک لہر چلا جائے گی۔ اسی طرح جب

یورپ اور امریکہ کی ہزاروں مساجد میں

اذانیں ہوں گی تو عیسائی بھی کہیں گے کہ اب جہانیت مرتضیٰ  
اور پھر یہ قوم ہر سو آہستہ تمام دنیا میں جیل تو جیکر کر  
جائیں۔ غرض اور اندیشہ اس سے ہوتا ہے پاکستان گئے گئے  
پتے لوگ کہنے لگے کہ اگر بڑی سلطنت پر صلح نہیں ڈرتا۔  
لیکن اب یہ بات حقا و حقیقت پر بھی صادق آتی ہے۔ اب  
احمدیت پر بھی سورج غروب نہیں ہوتا  
لیکن ہر جہانیت میں کہ ہمارے ہوائی فوجی سورج غروب نہ ہو

## دلوں کو پھر خوش آ رہا ہے

سروں سے سدا گل رہا ہے دلوں کو پھر خوش آ رہا ہے  
گیا تکلف کا دور کلفت سنو توئے ساتیانِ فطرت  
غضب کا پایا ہے خلیلا دل اٹھائے اتنا نہ کھلے دل  
خیال کی برق ہے درخشاں ہوئے ہیں چودہ طبقِ فروزاں  
میں آ کر گیا جسم کا بخار اور روح کو جو خوش آ رہا ہے  
میں آ کر ہو انجمن میں پرانے خوش آ رہا ہے  
تو جس کے لانے پر ہے تلالِ وہ وقت خاموش آ رہا ہے  
کہ پھر سینہ آ دل میں فردا بشوکتِ دو ش آ رہا ہے

چراغِ مغرب ہو افسردہ کہ نذرہ بھر گیا ہے مردہ

لباسِ نو میں جہاں کی محفل میں پھر کفن پوش آ رہا ہے

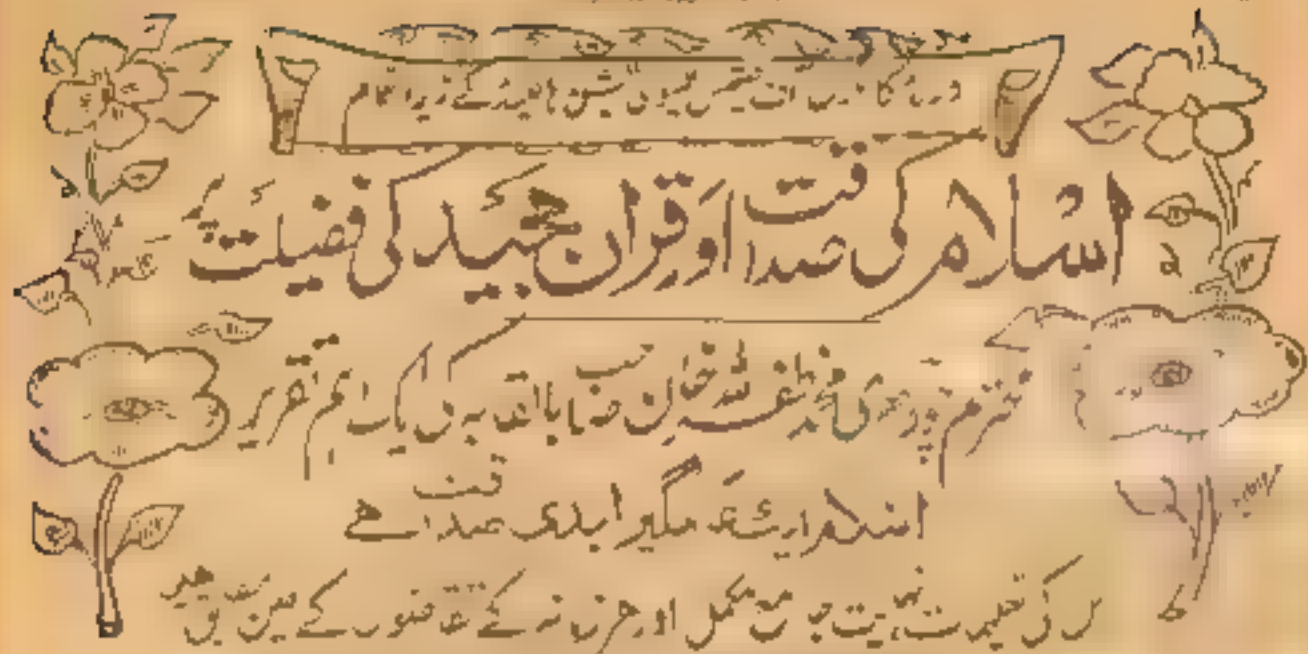
























[illegible][illegible]

تفسیر صغیر - علوم باطنی و روحانی کا ایک عظیم اثر

زندگی‌نشان

زندگی

سے بھلا بھی یہاں تک کہ فرار میں خود پر کسی کو چھوڑ کر کے خود بہ خود سے رہ سکیں اور  
 یہاں تو مجھے پھر سے توفیق ملے کہ میں فرار کے بعد خود کو کسی اور جگہ پر بھیج کر خود کو  
 یہاں سے دور رکھ سکوں کہ وہاں جو مجھ سے دشمنی حاصل ہو سکے وہ خود کو بھیج سکے اور

١٠٠  
 ١٠١  
 ١٠٢  
 ١٠٣  
 ١٠٤  
 ١٠٥  
 ١٠٦  
 ١٠٧  
 ١٠٨  
 ١٠٩  
 ١١٠  
 ١١١  
 ١١٢  
 ١١٣  
 ١١٤  
 ١١٥  
 ١١٦  
 ١١٧  
 ١١٨  
 ١١٩  
 ١٢٠  
 ١٢١  
 ١٢٢  
 ١٢٣  
 ١٢٤  
 ١٢٥  
 ١٢٦  
 ١٢٧  
 ١٢٨  
 ١٢٩  
 ١٣٠  
 ١٣١  
 ١٣٢  
 ١٣٣  
 ١٣٤  
 ١٣٥  
 ١٣٦  
 ١٣٧  
 ١٣٨  
 ١٣٩  
 ١٤٠  
 ١٤١  
 ١٤٢  
 ١٤٣  
 ١٤٤  
 ١٤٥  
 ١٤٦  
 ١٤٧  
 ١٤٨  
 ١٤٩  
 ١٥٠  
 ١٥١  
 ١٥٢  
 ١٥٣  
 ١٥٤  
 ١٥٥  
 ١٥٦  
 ١٥٧  
 ١٥٨  
 ١٥٩  
 ١٦٠  
 ١٦١  
 ١٦٢  
 ١٦٣  
 ١٦٤  
 ١٦٥  
 ١٦٦  
 ١٦٧  
 ١٦٨  
 ١٦٩  
 ١٧٠  
 ١٧١  
 ١٧٢  
 ١٧٣  
 ١٧٤  
 ١٧٥  
 ١٧٦  
 ١٧٧  
 ١٧٨  
 ١٧٩  
 ١٨٠  
 ١٨١  
 ١٨٢  
 ١٨٣  
 ١٨٤  
 ١٨٥  
 ١٨٦  
 ١٨٧  
 ١٨٨  
 ١٨٩  
 ١٩٠  
 ١٩١  
 ١٩٢  
 ١٩٣  
 ١٩٤  
 ١٩٥  
 ١٩٦  
 ١٩٧  
 ١٩٨  
 ١٩٩  
 ٢٠٠

۲۔ توسل و تکیہ کو فائدہ نہ پہنچا سکے

مجلس شورای اسلامی و هیأت وزیران در ۲۲ شهریور ۱۳۵۷

فهرست (Index) کتاب

14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849.

میں نے اس کو دیکھا ہے کہ وہ ایک بڑی بڑی سی چیز ہے جس کی شکل ایک گولے جیسی ہے۔

میں نے اس کو دیکھا ہے۔

[illegible]

وہاں سے آئے ہیں۔

یہاں سے ہوتا ہے۔

۱۲ قلمبره  
۱۳ قلمبره  
۱۴ قلمبره

۱۵ قلمبره  
۱۶ قلمبره  
۱۷ قلمبره

۱۸ قلمبره  
۱۹ قلمبره  
۲۰ قلمبره

۲۱ قلمبره  
۲۲ قلمبره  
۲۳ قلمبره

۲۴ قلمبره  
۲۵ قلمبره  
۲۶ قلمبره

۲۷ قلمبره  
۲۸ قلمبره  
۲۹ قلمبره

۳۰ قلمبره  
۳۱ قلمبره  
۳۲ قلمبره

۳۳ قلمبره  
۳۴ قلمبره  
۳۵ قلمبره

۳۶ قلمبره  
۳۷ قلمبره  
۳۸ قلمبره

۳۹ قلمبره  
۴۰ قلمبره  
۴۱ قلمبره

۴۲ قلمبره  
۴۳ قلمبره  
۴۴ قلمبره

۴۵ قلمبره  
۴۶ قلمبره  
۴۷ قلمبره

۴۸ قلمبره  
۴۹ قلمبره  
۵۰ قلمبره

۵۱ قلمبره  
۵۲ قلمبره  
۵۳ قلمبره

۵۴ قلمبره  
۵۵ قلمبره  
۵۶ قلمبره

۵۷ قلمبره  
۵۸ قلمبره  
۵۹ قلمبره

۶۰ قلمبره  
۶۱ قلمبره  
۶۲ قلمبره

۶۳ قلمبره  
۶۴ قلمبره  
۶۵ قلمبره

۶۶ قلمبره  
۶۷ قلمبره  
۶۸ قلمبره

۶۹ قلمبره  
۷۰ قلمبره  
۷۱ قلمبره

۷۲ قلمبره  
۷۳ قلمبره  
۷۴ قلمبره

۷۵ قلمبره  
۷۶ قلمبره  
۷۷ قلمبره

۷۸ قلمبره  
۷۹ قلمبره  
۸۰ قلمبره

۸۱ قلمبره  
۸۲ قلمبره  
۸۳ قلمبره

۸۴ قلمبره  
۸۵ قلمبره  
۸۶ قلمبره

۸۷ قلمبره  
۸۸ قلمبره  
۸۹ قلمبره

۹۰ قلمبره  
۹۱ قلمبره  
۹۲ قلمبره

۹۳ قلمبره  
۹۴ قلمبره  
۹۵ قلمبره

۹۶ قلمبره  
۹۷ قلمبره  
۹۸ قلمبره

۹۹ قلمبره  
۱۰۰ قلمبره

[illegible][illegible]

*[Faint handwritten notes at the bottom of the page]*

۱۰۲

معلومات کی کتاب کا ہدایت النظم وقت  
پیشتر میں مسطورہ ہو چکا ہے۔

مجلس ششمین  
روزنامه

تاریخ ۱۳۰۲





رسول کریمؐ کی ایک ہمدردیوں کا مخلصانہ طور  
ذیائے کنوئوں تک تبلیغ اسلام

مجلس ۱۴۰۰  
روز ۱۴۰۰  
روز ۱۴۰۰  
روز ۱۴۰۰

۱۰۰  
 ۱۰۱  
 ۱۰۲  
 ۱۰۳  
 ۱۰۴  
 ۱۰۵  
 ۱۰۶  
 ۱۰۷  
 ۱۰۸  
 ۱۰۹  
 ۱۱۰  
 ۱۱۱  
 ۱۱۲  
 ۱۱۳  
 ۱۱۴  
 ۱۱۵  
 ۱۱۶  
 ۱۱۷  
 ۱۱۸  
 ۱۱۹  
 ۱۲۰  
 ۱۲۱  
 ۱۲۲  
 ۱۲۳  
 ۱۲۴  
 ۱۲۵  
 ۱۲۶  
 ۱۲۷  
 ۱۲۸  
 ۱۲۹  
 ۱۳۰  
 ۱۳۱  
 ۱۳۲  
 ۱۳۳  
 ۱۳۴  
 ۱۳۵  
 ۱۳۶  
 ۱۳۷  
 ۱۳۸  
 ۱۳۹  
 ۱۴۰  
 ۱۴۱  
 ۱۴۲  
 ۱۴۳  
 ۱۴۴  
 ۱۴۵  
 ۱۴۶  
 ۱۴۷  
 ۱۴۸  
 ۱۴۹  
 ۱۵۰  
 ۱۵۱  
 ۱۵۲  
 ۱۵۳  
 ۱۵۴  
 ۱۵۵  
 ۱۵۶  
 ۱۵۷  
 ۱۵۸  
 ۱۵۹  
 ۱۶۰  
 ۱۶۱  
 ۱۶۲  
 ۱۶۳  
 ۱۶۴  
 ۱۶۵  
 ۱۶۶  
 ۱۶۷  
 ۱۶۸  
 ۱۶۹  
 ۱۷۰  
 ۱۷۱  
 ۱۷۲  
 ۱۷۳  
 ۱۷۴  
 ۱۷۵  
 ۱۷۶  
 ۱۷۷  
 ۱۷۸  
 ۱۷۹  
 ۱۸۰  
 ۱۸۱  
 ۱۸۲  
 ۱۸۳  
 ۱۸۴  
 ۱۸۵  
 ۱۸۶  
 ۱۸۷  
 ۱۸۸  
 ۱۸۹  
 ۱۹۰  
 ۱۹۱  
 ۱۹۲  
 ۱۹۳  
 ۱۹۴  
 ۱۹۵  
 ۱۹۶  
 ۱۹۷  
 ۱۹۸  
 ۱۹۹  
 ۲۰۰

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |     |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| ۱ | ۲ | ۳ | ۴ | ۵ | ۶ | ۷ | ۸ | ۹ | ۱۰ | ۱۱ | ۱۲ | ۱۳ | ۱۴ | ۱۵ | ۱۶ | ۱۷ | ۱۸ | ۱۹ | ۲۰ | ۲۱ | ۲۲ | ۲۳ | ۲۴ | ۲۵ | ۲۶ | ۲۷ | ۲۸ | ۲۹ | ۳۰ | ۳۱ | ۳۲ | ۳۳ | ۳۴ | ۳۵ | ۳۶ | ۳۷ | ۳۸ | ۳۹ | ۴۰ | ۴۱ | ۴۲ | ۴۳ | ۴۴ | ۴۵ | ۴۶ | ۴۷ | ۴۸ | ۴۹ | ۵۰ | ۵۱ | ۵۲ | ۵۳ | ۵۴ | ۵۵ | ۵۶ | ۵۷ | ۵۸ | ۵۹ | ۶۰ | ۶۱ | ۶۲ | ۶۳ | ۶۴ | ۶۵ | ۶۶ | ۶۷ | ۶۸ | ۶۹ | ۷۰ | ۷۱ | ۷۲ | ۷۳ | ۷۴ | ۷۵ | ۷۶ | ۷۷ | ۷۸ | ۷۹ | ۸۰ | ۸۱ | ۸۲ | ۸۳ | ۸۴ | ۸۵ | ۸۶ | ۸۷ | ۸۸ | ۸۹ | ۹۰ | ۹۱ | ۹۲ | ۹۳ | ۹۴ | ۹۵ | ۹۶ | ۹۷ | ۹۸ | ۹۹ | ۱۰۰ |
| ۱ | ۲ | ۳ | ۴ | ۵ | ۶ | ۷ | ۸ | ۹ | ۱۰ | ۱۱ | ۱۲ | ۱۳ | ۱۴ | ۱۵ | ۱۶ | ۱۷ | ۱۸ | ۱۹ | ۲۰ | ۲۱ | ۲۲ | ۲۳ | ۲۴ | ۲۵ | ۲۶ | ۲۷ | ۲۸ | ۲۹ | ۳۰ | ۳۱ | ۳۲ | ۳۳ | ۳۴ | ۳۵ | ۳۶ | ۳۷ | ۳۸ | ۳۹ | ۴۰ | ۴۱ | ۴۲ | ۴۳ | ۴۴ | ۴۵ | ۴۶ | ۴۷ | ۴۸ | ۴۹ | ۵۰ | ۵۱ | ۵۲ | ۵۳ | ۵۴ | ۵۵ | ۵۶ | ۵۷ | ۵۸ | ۵۹ | ۶۰ | ۶۱ | ۶۲ | ۶۳ | ۶۴ | ۶۵ | ۶۶ | ۶۷ | ۶۸ | ۶۹ | ۷۰ | ۷۱ | ۷۲ | ۷۳ | ۷۴ | ۷۵ | ۷۶ | ۷۷ | ۷۸ | ۷۹ | ۸۰ | ۸۱ | ۸۲ | ۸۳ | ۸۴ | ۸۵ | ۸۶ | ۸۷ | ۸۸ | ۸۹ | ۹۰ | ۹۱ | ۹۲ | ۹۳ | ۹۴ | ۹۵ | ۹۶ | ۹۷ | ۹۸ | ۹۹ | ۱۰۰ |

[illegible][illegible][illegible][illegible]







یعنی یہ سب فرشتوں، علم و شہادت والوں میں سے

وکیل علی شاد چ - ...  
...  
...  
...  
...  
...  
...  
...

قمری فیضان  
 حیدر آباد  
 حیدر آباد  
 حیدر آباد  
 حیدر آباد  
 حیدر آباد

جانوں سے !

[illegible]

آن محمود ساسا در نغزیت مابلو

سے کہیں! کہیں!

$\frac{d}{dt} \left( \frac{1}{r^2} \right) = -\frac{2}{r^3} \frac{dr}{dt}$

[illegible]

ان کے لئے یہ بات سمجھ رہے تھے۔  
ان کی امید تھی کہ ان کے لئے کیا ہو گا۔

۱۔ عجمی لکھ کر ڈال دیا تو شہزادہ نے اس پر غصہ کیا اور اسے مار مار کر مار ڈالا۔  
 ۲۔ عجمی لکھ کر ڈال دیا تو شہزادہ نے اس پر غصہ کیا اور اسے مار مار کر مار ڈالا۔  
 ۳۔ عجمی لکھ کر ڈال دیا تو شہزادہ نے اس پر غصہ کیا اور اسے مار مار کر مار ڈالا۔  
 ۴۔ عجمی لکھ کر ڈال دیا تو شہزادہ نے اس پر غصہ کیا اور اسے مار مار کر مار ڈالا۔  
 ۵۔ عجمی لکھ کر ڈال دیا تو شہزادہ نے اس پر غصہ کیا اور اسے مار مار کر مار ڈالا۔  
 ۶۔ عجمی لکھ کر ڈال دیا تو شہزادہ نے اس پر غصہ کیا اور اسے مار مار کر مار ڈالا۔  
 ۷۔ عجمی لکھ کر ڈال دیا تو شہزادہ نے اس پر غصہ کیا اور اسے مار مار کر مار ڈالا۔  
 ۸۔ عجمی لکھ کر ڈال دیا تو شہزادہ نے اس پر غصہ کیا اور اسے مار مار کر مار ڈالا۔  
 ۹۔ عجمی لکھ کر ڈال دیا تو شہزادہ نے اس پر غصہ کیا اور اسے مار مار کر مار ڈالا۔  
 ۱۰۔ عجمی لکھ کر ڈال دیا تو شہزادہ نے اس پر غصہ کیا اور اسے مار مار کر مار ڈالا۔

[illegible]



دوسرے دن میں بھی جتنی بڑی تپان ہوئی  
 وہاں سے گزرتے ہوئے ایک شخص نے کہا  
 وہاں سے گزرتے ہوئے ایک شخص نے کہا  
 وہاں سے گزرتے ہوئے ایک شخص نے کہا

ایک شخص نے کہا کہ میں نے یہ سب سنا ہے  
 ایک شخص نے کہا کہ میں نے یہ سب سنا ہے  
 ایک شخص نے کہا کہ میں نے یہ سب سنا ہے  
 ایک شخص نے کہا کہ میں نے یہ سب سنا ہے  
 ایک شخص نے کہا کہ میں نے یہ سب سنا ہے

— (۸) —

### سب سے دلوں سے

تو میں نے یہ سب سنا ہے  
 تو میں نے یہ سب سنا ہے  
 تو میں نے یہ سب سنا ہے  
 تو میں نے یہ سب سنا ہے  
 تو میں نے یہ سب سنا ہے

— (۹) —

### بچوں سے

میری بچیوں سے  
 میری بچیوں سے  
 میری بچیوں سے  
 میری بچیوں سے  
 میری بچیوں سے

## دعا

پھر میں نے یہ سب سنا ہے  
 پھر میں نے یہ سب سنا ہے  
 پھر میں نے یہ سب سنا ہے  
 پھر میں نے یہ سب سنا ہے  
 پھر میں نے یہ سب سنا ہے

تو نے وہاں سے جیسے کو پکارا

(۱۰)

مرتبہ سب سے بڑا

روحانی پاکیزگی کے لئے

## جسمانی صفائی کی ضرورت

نیو یارک میں

[illegible]

میں نے اس کے لئے ایک خط لکھا ہے جس میں  
میں نے اس کے لئے ایک خط لکھا ہے جس میں

میں نے اس کے لئے ایک خط لکھا ہے جس میں  
اس کی طرف سے ایک خط لکھا ہے جس میں

کے صلیب سے لڑنے میں مددگار  
 اور کھانے پینے کے غرض کے سلسلے  
 میں آداب کھانے پینے کی ضرورت صبح  
 اور شام کے بعد صلیب سے لڑنے کے لیے

طریق انشاء کے لئے آسان اور آسان

فکر حاصل ہے اور اس کا شکر  
کے چہرے کا چہرہ اور اس کا  
کے ہاتھ - عہدہ - راجا کے ہاتھ  
نہرو ڈالنے اور دھارم سلا عہدہ

۱۔ حضرت صفی کے خد تھا مگر ہمارے  
 گھر میں سے ان کے چہرہ  
 ۲۔ حضرت صفی کے خد تھا مگر ہمارے  
 گھر میں سے ان کے چہرہ

دود پست کاروانی تانت فو بیگر کرد  
 - سرانجام - سرانجام - سرانجام  
 بخت و شانس و شانس و شانس و شانس

۱۔ امریکا اور عرب کے مابین جنگ ہو گئی  
۲۔ امریکا نے عرب کے خلاف فوجیں بھیج دیں  
۳۔ عربی ممالک نے امریکا کے خلاف فوجیں بھیج دیں  
۴۔ امریکا نے عربی ممالک کے خلاف فوجیں بھیج دیں  
۵۔ عربی ممالک نے امریکا کے خلاف فوجیں بھیج دیں  
۶۔ امریکا نے عربی ممالک کے خلاف فوجیں بھیج دیں  
۷۔ عربی ممالک نے امریکا کے خلاف فوجیں بھیج دیں  
۸۔ امریکا نے عربی ممالک کے خلاف فوجیں بھیج دیں  
۹۔ عربی ممالک نے امریکا کے خلاف فوجیں بھیج دیں  
۱۰۔ امریکا نے عربی ممالک کے خلاف فوجیں بھیج دیں

میں نے اپنے لئے ایک خط لکھا ہے جس میں  
میں نے اپنے لئے ایک خط لکھا ہے جس میں

... ..

کتابخانه عمومی

۱۰۰۰ روپے  
 ۱۰۰ روپے  
 ۱۰ روپے  
 ۱ روپے

دماغ کی مانی، جسم بجا ہے  
سالانہ ترقی کا راز ہے اس

میں نے اس کے لئے دعا کی کہ وہ اس کے لئے دعا کرے  
اور اس کے لئے دعا کرے اور اس کے لئے دعا کرے  
اور اس کے لئے دعا کرے اور اس کے لئے دعا کرے  
اور اس کے لئے دعا کرے اور اس کے لئے دعا کرے

۱۰۰  
چهارم عشره - مسکن میوه های که میسوزند  
در آن گرمی میوه های که میسوزند است و این  
در آن گرمی میوه های که میسوزند است و این

۱۲۳۴۵۶۷۸۹۱۰۱۱۱۲۱۳۱۴۱۵۱۶۱۷۱۸۱۹۲۰۲۱۲۲۲۳۲۴۲۵۲۶۲۷۲۸۲۹۳۰۳۱۳۲۳۳۳۴۳۵۳۶۳۷۳۸۳۹۴۰۴۱۴۲۴۳۴۴۴۵۴۶۴۷۴۸۴۹۵۰۵۱۵۲۵۳۵۴۵۵۵۶۵۷۵۸۵۹۶۰۶۱۶۲۶۳۶۴۶۵۶۶۶۷۶۸۶۹۷۰۷۱۷۲۷۳۷۴۷۵۷۶۷۷۷۸۷۹۸۰۸۱۸۲۸۳۸۴۸۵۸۶۸۷۸۸۸۹۹۰۹۱۹۲۹۳۹۴۹۵۹۶۹۷۹۸۹۹

[illegible]

نقد و تبصرا در اخلاق پڑ

وہ کہتے ہیں کہ یہ ایک عجیب و غریب چیز ہے جس کی

یہ لکھ کر حضرت علیؓ کو بھیج دیا۔ حضرت علیؓ نے اس کو پڑھا اور فرمایا: "یہ تمہاری طرف سے ہے، میں نے اس کو قبول نہیں کیا۔" پھر اس کو واپس بھیج دیا۔

۱۰۰

جیسا کہ میں نے پہلے بتایا ہے کہ یہ ایک نیا اور منفرد ہے۔

میں نے اس کو دیکھا تھا کہ وہ ایک  
بڑی بڑی سیڑھی پر چڑھ کر  
اپنی جگہ پر بیٹھ کر

[illegible]

فرماندهی و فرماندهان

۱۱  
 یہ راجہ غلام شاہ کے یہ قلعہ ہے  
 دھرم پور کے غلام شاہ کے قلعہ ہے  
 کے قلعہ ہے دھرم پور کے غلام شاہ کے  
 قلعہ ہے دھرم پور کے غلام شاہ کے  
 قلعہ ہے دھرم پور کے غلام شاہ کے

ایسی تجویز اور مشورہ کی جوتجربہ کے بعد

۱۰۰

جس کی پاکیزگی کا وہ چہرہ آفریں  
حضورِ مہتابؐ اور اہل بیتؑ کے لئے ہے

۳۰

وہ ساری چیزیں دیکھ کر ہنس پڑا کہ یہ تو کچھ اور ہے۔

[illegible]

۱۔ ایک ایک شخص کو ایک ایک سو روپیہ ملے گا۔

۲۰۰۲ء کے نتائج کے بارے میں











وگو کہ ہم نے یہ سب  
 حد سے بڑھے، اس سے  
 کے ان کی

### توحید پر مبنی

کر یہ بندہ اس میں  
 کے ہر طرف سے  
 مبنی ہے اس میں  
 اس میں خاصہ  
 کے ہر طرف سے

وہ جو کہتے ہیں کہ  
 لہذا ہی ہم نے ان  
 چاہتا ہے۔ اور  
 پروردگار اور  
 اس کے لئے  
 رحمت پر مبنی ہے

ان کے لئے یہ  
 کا خاصہ ہے  
 تو اس میں  
 ان کے لئے  
 ان کے لئے  
 ان کے لئے

ہو۔ میں نے یہ سب  
 کے ہر طرف سے  
 اور اس میں  
 کے ہر طرف سے

میں نے یہ سب  
 کے ہر طرف سے  
 اور اس میں  
 کے ہر طرف سے

ان کے لئے یہ  
 کا خاصہ ہے  
 تو اس میں  
 ان کے لئے  
 ان کے لئے

ان کے لئے یہ  
 کا خاصہ ہے  
 تو اس میں  
 ان کے لئے  
 ان کے لئے

حقیقی یہ ہے کہ  
 کے ہر طرف سے  
 اور اس میں  
 کے ہر طرف سے

میں نے یہ سب  
 کے ہر طرف سے  
 اور اس میں  
 کے ہر طرف سے

ان کے لئے یہ  
 کا خاصہ ہے  
 تو اس میں  
 ان کے لئے  
 ان کے لئے

ان کے لئے یہ  
 کا خاصہ ہے  
 تو اس میں  
 ان کے لئے  
 ان کے لئے

یہ وہ ہے اور  
 کے ہر طرف سے  
 اور اس میں  
 کے ہر طرف سے

میں نے یہ سب  
 کے ہر طرف سے  
 اور اس میں  
 کے ہر طرف سے

ان کے لئے یہ  
 کا خاصہ ہے  
 تو اس میں  
 ان کے لئے  
 ان کے لئے

ان کے لئے یہ  
 کا خاصہ ہے  
 تو اس میں  
 ان کے لئے  
 ان کے لئے

## شرعی احکام پر مبنی

ان کے لئے یہ  
 کا خاصہ ہے  
 تو اس میں  
 ان کے لئے  
 ان کے لئے



تجربہ کارانہ

مقدمه باب اولی در بیان کلیات و مقدمات

مقدمہ صفحہ ۱۰۱ سے قلمبند ہو

قسم فیوضہ ساری ساری

محمد سید محمد نوریت محمدی در مقام عارفی

قسمت اول: در بیان مصلحت و نفع

فردی . حیدر . علی . محمد . احمد .

نمبر ۱۰۰۰

٥

... ..

مدرسہ اسلامیہ کے چیمبرس نمبر ۱۰

تعمیر کے واسطے

قسم اول داناں میں ہے کہ جو کہ

قسم من دکانوں میں ہے کہ وہ

اسم بریں کو متوازی بنکا ہیں در سے دے کی

گلوں کو جس درجہ میں یہ ہے

فصلہ عثمانی کے لے میں محسوس ہے کہ

سچ ہو یا حاسد یہ متوہ کرنے والے کی

و در شهر

۱۰

Figure 10.10

فوت کا قول و احقر اخصب بدعتہ دہمہ

در حقیقت من سوره قیامت را

مقامی راجہ کے نام سے ایک چھوٹے پانچ سو روپے

سے جس کے بیچ ہر شے ہادی وریس ہادی

کتابخانه عمومی مسجد اعظم کربلا

مسیحی نے عروں نوح رُسو فی تفسیر کی

استادان و دانشمندان

تعمیرات و تعمیرات

مجلس فیضیہ مدرسہ اسلامیہ

بسم الله الرحمن الرحيم

سید محمد علی

ہمیراں جہاں فی زمیں کی جا

پایب - ساری زمین سولی

— در باب مکتوبات و نامه ها —

جہاں میں تدبیر کا مہاب و کامرت ہوگی

مدد انفرادی کی آغوش سے چٹکناں ہو کر

عبدالرشید کے مہذبہ اعراسہ نقاش ہوگی

آند هر شهر معتقد که بر مادر و سگ

وہ ہر سو احمدی ہی احمدی ایسا دلروسہ کا

میت در کتب و کتب

...

*(continued)*

تاریخ و جغرافیہ

ث۔ سب سے پہلے عرب علماء نے چاہا کہ یہ صوفیوں کی طرف سے

زیریں بیلاؤں کے درجہ پر ماستان - ریلوے



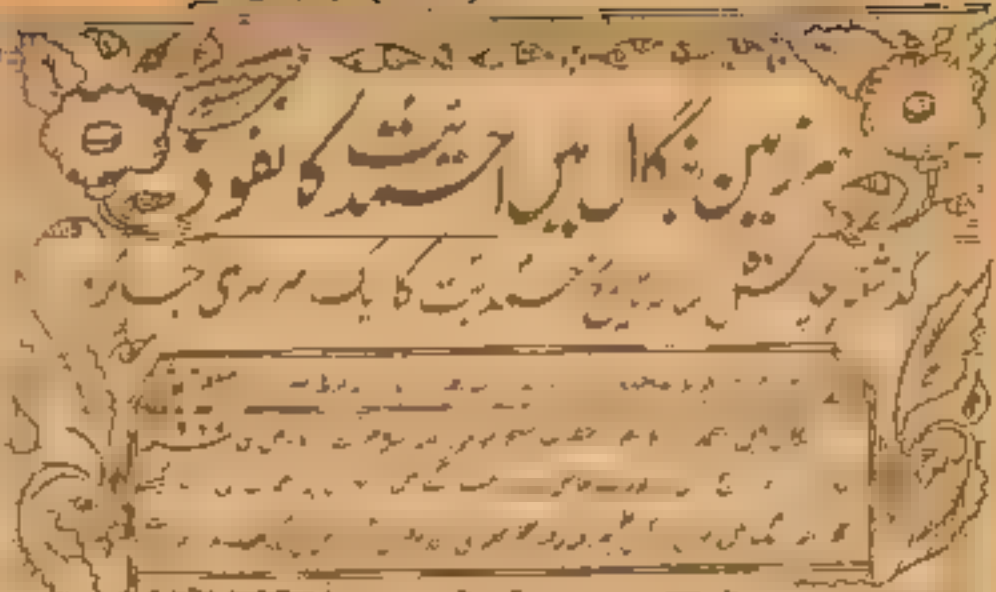












کتاب تہذیب و تمدن

کتاب تہذیب و تمدن کا ایک سہ ماہی جز

تہذیب و تمدن کے سب سے بڑے حصے ہیں۔ یہ وہ چیزیں ہیں جو انسان کو انسان بناتی ہیں۔ یہ وہ چیزیں ہیں جو انسان کو انسان بناتی ہیں۔ یہ وہ چیزیں ہیں جو انسان کو انسان بناتی ہیں۔

تہذیب و تمدن کے سب سے بڑے حصے ہیں۔ یہ وہ چیزیں ہیں جو انسان کو انسان بناتی ہیں۔ یہ وہ چیزیں ہیں جو انسان کو انسان بناتی ہیں۔ یہ وہ چیزیں ہیں جو انسان کو انسان بناتی ہیں۔

تہذیب و تمدن کے سب سے بڑے حصے ہیں۔ یہ وہ چیزیں ہیں جو انسان کو انسان بناتی ہیں۔ یہ وہ چیزیں ہیں جو انسان کو انسان بناتی ہیں۔ یہ وہ چیزیں ہیں جو انسان کو انسان بناتی ہیں۔



# درویش قادیان کا مقام

بہت مدت درویش ناریں کا دم

بستر میں کو رضا مندی خد ہے دم  
و نہ جہدہ اصل میں کام ہے

شاکل نہ رہ جس سے کفایت ایام  
مف مہر و نکل ہے رہی نہ مناع

سکوب قلب، نظر سے حیات کا انعام  
در حسیب پر دعویٰ نہ اس کے چٹے گئے

سہل دمسکے پٹے گئے وہ جام پہ جام  
جو پہنچے مسجد رفتہ میں رنج تودہ ہوئے

گئے حوشت دعائیں تو مٹ گئے لام  
یہیں ملا تو قلب مضطرب کو سکون

یہیں ملی تو ملی دل کو لذت الہام  
زہے نصیب تو دل میسج کی بستی

کہ جس کی دید کا حاصل ہے زندگی کا نام  
جہاں سہل گر دل سے سجدہ ریزی میں

خدا کی یاد میں مصروف ہیں وہ صبح و شام  
یہیں تمنا ہے قیام دل کی جہاں کے کہوں

مسیح پاک کے درویش کو ادب سلام  
نصیب شوق ہو دید اور قرب ہر سدی

بید کیا ہے خدا سے جو ازل دید و نام  
بہت مدت درویش ناریں کا دم

ادب سے ملازمی بہت مشہور رہ گئے  
تکبر و غرور کا عہد اور عہد صاحب  
کی رعایت کے بعد گنگا کے درم سے  
ایسے مفروضہ ہو گئے جو دھیر ملکات کی  
سینکڑوں کا عہد بھی ہے ایسا اقدار ہے  
ادب آپ کے نظریں راحت اذی کی کاغذ

نارنجی پر ہے رشتہ گنگا کی جڑوں  
مہارنگ مل صاحب گورنٹ ڈپٹی سکول  
کے بیٹا ماسٹر تھے، ادب آپ کے سپیچ کے  
نیچ میں والی تھے موزوں تھے ایک  
مہارنگ کا دشمن کی تیار دعوات

مسیح علیہ السلام اندھو تھے بہت بڑے  
سائل پر وقت ہو کر اہل حقیقت راجہ پر  
چا کے چلے گئے روئی ہارنگ ملی صاحب  
خلعت اعلیٰ کے بی حقیقت غلبہ اور صاحب  
رونگروں میں، ادب آپ کے

میرزا نے ہی دھیر صاحب کو جہاں  
پہنچا گیا۔ مگر خلیفہ صاحب جب وہ مسیح  
اور عواہل مسیح ہوئے کے مشن ایک  
والی نظریہ والی درویش صاحب نے  
اتوار کی سہ پہر ۱۰ بجے کے

بھرت و کپا کر کر کے گنا گنا کر اور شیک  
سے اور پھر آگے اچھا مٹی ہوئی ہے  
اس قدر کے تمام گشت و  
تکے، ادب آپ کے

میری وہ دھیر صاحب نے دیکھا کہ  
مست کی اور دھیر صاحب کے  
جہاں گنگا کے عہد کا تھا، مسیح  
فصلی سے پر عین ایام تھا، خود

دھیر صاحب کی حقیقت کے مشن خیر  
وہ خطا، ادب آپ کے  
تنگر نام حوشت کی اطلاع حضور کو کر دی  
میری سہل کے بعد آپ کو گیت مسیح

کے لایا، ادب آپ کے  
سہل، ادب آپ کے  
حضور ملے میں صاحب کو دھیر  
ادب آپ کے

کرم پر دھیر صاحب کی دیوان کے  
جہاں تھے، دھیر صاحب کے کرم  
جہاں تھے، دھیر صاحب کے کرم  
ادب آپ کے

ادب آپ کے  
ادب آپ کے  
ادب آپ کے  
ادب آپ کے

ادب آپ کے  
ادب آپ کے  
ادب آپ کے  
ادب آپ کے

ادب آپ کے  
ادب آپ کے  
ادب آپ کے  
ادب آپ کے

ادب آپ کے  
ادب آپ کے  
ادب آپ کے  
ادب آپ کے







احقریتِ اسلام کی زندگی کا شہوت

ازدواج کی صورت میں جو کہ اس کا مقصد ہے  
جس سے ایک ہی شخص کی طرف سے

۱۰۰  
 ۱۰۰  
 ۱۰۰  
 ۱۰۰  
 ۱۰۰  
 ۱۰۰

شے سے جس میں شکر ہو  
 سے دہی پا دو قہمت  
 ہر آن سے کی  
 سادہ کی تعمیر ہے

ہندو اور مسلمان  
دنیا کے مٹ نہ جانے  
آج کے مٹ نہ جانے  
۱۰ - ۱۰ - ۱۰ - ۱۰  
۱۰ - ۱۰ - ۱۰ - ۱۰

۱۰۰  
 ۱۰۱  
 ۱۰۲  
 ۱۰۳  
 ۱۰۴  
 ۱۰۵  
 ۱۰۶  
 ۱۰۷  
 ۱۰۸  
 ۱۰۹  
 ۱۱۰  
 ۱۱۱  
 ۱۱۲  
 ۱۱۳  
 ۱۱۴  
 ۱۱۵  
 ۱۱۶  
 ۱۱۷  
 ۱۱۸  
 ۱۱۹  
 ۱۲۰  
 ۱۲۱  
 ۱۲۲  
 ۱۲۳  
 ۱۲۴  
 ۱۲۵  
 ۱۲۶  
 ۱۲۷  
 ۱۲۸  
 ۱۲۹  
 ۱۳۰  
 ۱۳۱  
 ۱۳۲  
 ۱۳۳  
 ۱۳۴  
 ۱۳۵  
 ۱۳۶  
 ۱۳۷  
 ۱۳۸  
 ۱۳۹  
 ۱۴۰  
 ۱۴۱  
 ۱۴۲  
 ۱۴۳  
 ۱۴۴  
 ۱۴۵  
 ۱۴۶  
 ۱۴۷  
 ۱۴۸  
 ۱۴۹  
 ۱۵۰  
 ۱۵۱  
 ۱۵۲  
 ۱۵۳  
 ۱۵۴  
 ۱۵۵  
 ۱۵۶  
 ۱۵۷  
 ۱۵۸  
 ۱۵۹  
 ۱۶۰  
 ۱۶۱  
 ۱۶۲  
 ۱۶۳  
 ۱۶۴  
 ۱۶۵  
 ۱۶۶  
 ۱۶۷  
 ۱۶۸  
 ۱۶۹  
 ۱۷۰  
 ۱۷۱  
 ۱۷۲  
 ۱۷۳  
 ۱۷۴  
 ۱۷۵  
 ۱۷۶  
 ۱۷۷  
 ۱۷۸  
 ۱۷۹  
 ۱۸۰  
 ۱۸۱  
 ۱۸۲  
 ۱۸۳  
 ۱۸۴  
 ۱۸۵  
 ۱۸۶  
 ۱۸۷  
 ۱۸۸  
 ۱۸۹  
 ۱۹۰  
 ۱۹۱  
 ۱۹۲  
 ۱۹۳  
 ۱۹۴  
 ۱۹۵  
 ۱۹۶  
 ۱۹۷  
 ۱۹۸  
 ۱۹۹  
 ۲۰۰  
 ۲۰۱  
 ۲۰۲  
 ۲۰۳  
 ۲۰۴  
 ۲۰۵  
 ۲۰۶  
 ۲۰۷  
 ۲۰۸  
 ۲۰۹  
 ۲۱۰  
 ۲۱۱  
 ۲۱۲  
 ۲۱۳  
 ۲۱۴  
 ۲۱۵  
 ۲۱۶  
 ۲۱۷  
 ۲۱۸  
 ۲۱۹  
 ۲۲۰  
 ۲۲۱  
 ۲۲۲  
 ۲۲۳  
 ۲۲۴  
 ۲۲۵  
 ۲۲۶  
 ۲۲۷  
 ۲۲۸  
 ۲۲۹  
 ۲۳۰  
 ۲۳۱  
 ۲۳۲  
 ۲۳۳  
 ۲۳۴  
 ۲۳۵  
 ۲۳۶  
 ۲۳۷  
 ۲۳۸  
 ۲۳۹  
 ۲۴۰  
 ۲۴۱  
 ۲۴۲  
 ۲۴۳  
 ۲۴۴  
 ۲۴۵  
 ۲۴۶  
 ۲۴۷  
 ۲۴۸  
 ۲۴۹  
 ۲۵۰  
 ۲۵۱  
 ۲۵۲  
 ۲۵۳  
 ۲۵۴  
 ۲۵۵  
 ۲۵۶  
 ۲۵۷  
 ۲۵۸  
 ۲۵۹  
 ۲۶۰  
 ۲۶۱  
 ۲۶۲  
 ۲۶۳  
 ۲۶۴  
 ۲۶۵  
 ۲۶۶  
 ۲۶۷  
 ۲۶۸  
 ۲۶۹  
 ۲۷۰  
 ۲۷۱  
 ۲۷۲  
 ۲۷۳  
 ۲۷۴  
 ۲۷۵  
 ۲۷۶  
 ۲۷۷  
 ۲۷۸  
 ۲۷۹  
 ۲۸۰  
 ۲۸۱  
 ۲۸۲  
 ۲۸۳  
 ۲۸۴  
 ۲۸۵  
 ۲۸۶  
 ۲۸۷  
 ۲۸۸  
 ۲۸۹  
 ۲۹۰  
 ۲۹۱  
 ۲۹۲  
 ۲۹۳  
 ۲۹۴  
 ۲۹۵  
 ۲۹۶  
 ۲۹۷  
 ۲۹۸  
 ۲۹۹  
 ۳۰۰  
 ۳۰۱  
 ۳۰۲  
 ۳۰۳  
 ۳۰۴  
 ۳۰۵  
 ۳۰۶  
 ۳۰۷  
 ۳۰۸  
 ۳۰۹  
 ۳۱۰  
 ۳۱۱  
 ۳۱۲  
 ۳۱۳  
 ۳۱۴  
 ۳۱۵  
 ۳۱۶  
 ۳۱۷  
 ۳۱۸  
 ۳۱۹  
 ۳۲۰  
 ۳۲۱  
 ۳۲۲  
 ۳۲۳  
 ۳۲۴  
 ۳۲۵  
 ۳۲۶  
 ۳۲۷  
 ۳۲۸  
 ۳۲۹  
 ۳۳۰  
 ۳۳۱  
 ۳۳۲  
 ۳۳۳  
 ۳۳۴  
 ۳۳۵  
 ۳۳۶  
 ۳۳۷  
 ۳۳۸  
 ۳۳۹  
 ۳۴۰  
 ۳۴۱  
 ۳۴۲  
 ۳۴۳  
 ۳۴۴  
 ۳۴۵  
 ۳۴۶  
 ۳۴۷  
 ۳۴۸  
 ۳۴۹  
 ۳۵۰  
 ۳۵۱  
 ۳۵۲  
 ۳۵۳  
 ۳۵۴  
 ۳۵۵  
 ۳۵۶  
 ۳۵۷  
 ۳۵۸  
 ۳۵۹  
 ۳۶۰  
 ۳۶۱  
 ۳۶۲  
 ۳۶۳  
 ۳۶۴  
 ۳۶۵  
 ۳۶۶  
 ۳۶۷  
 ۳۶۸  
 ۳۶۹  
 ۳۷۰  
 ۳۷۱  
 ۳۷۲  
 ۳۷۳  
 ۳۷۴  
 ۳۷۵  
 ۳۷۶  
 ۳۷۷  
 ۳۷۸  
 ۳۷۹  
 ۳۸۰  
 ۳۸۱  
 ۳۸۲  
 ۳۸۳  
 ۳۸۴  
 ۳۸۵  
 ۳۸۶  
 ۳۸۷  
 ۳۸۸  
 ۳۸۹  
 ۳۹۰  
 ۳۹۱  
 ۳۹۲  
 ۳۹۳  
 ۳۹۴  
 ۳۹۵  
 ۳۹۶  
 ۳۹۷  
 ۳۹۸  
 ۳۹۹  
 ۴۰۰  
 ۴۰۱  
 ۴۰۲  
 ۴۰۳  
 ۴۰۴  
 ۴۰۵  
 ۴۰۶  
 ۴۰۷  
 ۴۰۸  
 ۴۰۹  
 ۴۱۰  
 ۴۱۱  
 ۴۱۲  
 ۴۱۳  
 ۴۱۴  
 ۴۱۵  
 ۴۱۶  
 ۴۱۷  
 ۴۱۸  
 ۴۱۹  
 ۴۲۰  
 ۴۲۱  
 ۴۲۲  
 ۴۲۳  
 ۴۲۴  
 ۴۲۵  
 ۴۲۶  
 ۴۲۷  
 ۴۲۸  
 ۴۲۹  
 ۴۳۰  
 ۴۳۱  
 ۴۳۲  
 ۴۳۳  
 ۴۳۴  
 ۴۳۵  
 ۴۳۶  
 ۴۳۷  
 ۴۳۸  
 ۴۳۹  
 ۴۴۰  
 ۴۴۱  
 ۴۴۲  
 ۴۴۳  
 ۴۴۴  
 ۴۴۵  
 ۴۴۶  
 ۴۴۷  
 ۴۴۸  
 ۴۴۹  
 ۴۵۰  
 ۴۵۱  
 ۴۵۲  
 ۴۵۳  
 ۴۵۴  
 ۴۵۵  
 ۴۵۶  
 ۴۵۷  
 ۴۵۸  
 ۴۵۹  
 ۴۶۰  
 ۴۶۱  
 ۴۶۲  
 ۴۶۳  
 ۴۶۴  
 ۴۶۵  
 ۴۶۶  
 ۴۶۷  
 ۴۶۸  
 ۴۶۹  
 ۴۷۰  
 ۴۷۱

*[Faint handwritten notes]*

۱۰۰  
 ۱۰۱  
 ۱۰۲  
 ۱۰۳  
 ۱۰۴  
 ۱۰۵  
 ۱۰۶  
 ۱۰۷  
 ۱۰۸  
 ۱۰۹  
 ۱۱۰  
 ۱۱۱  
 ۱۱۲  
 ۱۱۳  
 ۱۱۴  
 ۱۱۵  
 ۱۱۶  
 ۱۱۷  
 ۱۱۸  
 ۱۱۹  
 ۱۲۰  
 ۱۲۱  
 ۱۲۲  
 ۱۲۳  
 ۱۲۴  
 ۱۲۵  
 ۱۲۶  
 ۱۲۷  
 ۱۲۸  
 ۱۲۹  
 ۱۳۰  
 ۱۳۱  
 ۱۳۲  
 ۱۳۳  
 ۱۳۴  
 ۱۳۵  
 ۱۳۶  
 ۱۳۷  
 ۱۳۸  
 ۱۳۹  
 ۱۴۰  
 ۱۴۱  
 ۱۴۲  
 ۱۴۳  
 ۱۴۴  
 ۱۴۵  
 ۱۴۶  
 ۱۴۷  
 ۱۴۸  
 ۱۴۹  
 ۱۵۰  
 ۱۵۱  
 ۱۵۲  
 ۱۵۳  
 ۱۵۴  
 ۱۵۵  
 ۱۵۶  
 ۱۵۷  
 ۱۵۸  
 ۱۵۹  
 ۱۶۰  
 ۱۶۱  
 ۱۶۲  
 ۱۶۳  
 ۱۶۴  
 ۱۶۵  
 ۱۶۶  
 ۱۶۷  
 ۱۶۸  
 ۱۶۹  
 ۱۷۰  
 ۱۷۱  
 ۱۷۲  
 ۱۷۳  
 ۱۷۴  
 ۱۷۵  
 ۱۷۶  
 ۱۷۷  
 ۱۷۸  
 ۱۷۹  
 ۱۸۰  
 ۱۸۱  
 ۱۸۲  
 ۱۸۳  
 ۱۸۴  
 ۱۸۵  
 ۱۸۶  
 ۱۸۷  
 ۱۸۸  
 ۱۸۹  
 ۱۹۰  
 ۱۹۱  
 ۱۹۲  
 ۱۹۳  
 ۱۹۴  
 ۱۹۵  
 ۱۹۶  
 ۱۹۷  
 ۱۹۸  
 ۱۹۹  
 ۲۰۰

۱۰۰  
 ۱۰۱  
 ۱۰۲  
 ۱۰۳  
 ۱۰۴  
 ۱۰۵  
 ۱۰۶  
 ۱۰۷  
 ۱۰۸  
 ۱۰۹  
 ۱۱۰  
 ۱۱۱  
 ۱۱۲  
 ۱۱۳  
 ۱۱۴  
 ۱۱۵  
 ۱۱۶  
 ۱۱۷  
 ۱۱۸  
 ۱۱۹  
 ۱۲۰  
 ۱۲۱  
 ۱۲۲  
 ۱۲۳  
 ۱۲۴  
 ۱۲۵  
 ۱۲۶  
 ۱۲۷  
 ۱۲۸  
 ۱۲۹  
 ۱۳۰  
 ۱۳۱  
 ۱۳۲  
 ۱۳۳  
 ۱۳۴  
 ۱۳۵  
 ۱۳۶  
 ۱۳۷  
 ۱۳۸  
 ۱۳۹  
 ۱۴۰  
 ۱۴۱  
 ۱۴۲  
 ۱۴۳  
 ۱۴۴  
 ۱۴۵  
 ۱۴۶  
 ۱۴۷  
 ۱۴۸  
 ۱۴۹  
 ۱۵۰  
 ۱۵۱  
 ۱۵۲  
 ۱۵۳  
 ۱۵۴  
 ۱۵۵  
 ۱۵۶  
 ۱۵۷  
 ۱۵۸  
 ۱۵۹  
 ۱۶۰  
 ۱۶۱  
 ۱۶۲  
 ۱۶۳  
 ۱۶۴  
 ۱۶۵  
 ۱۶۶  
 ۱۶۷  
 ۱۶۸  
 ۱۶۹  
 ۱۷۰  
 ۱۷۱  
 ۱۷۲  
 ۱۷۳  
 ۱۷۴  
 ۱۷۵  
 ۱۷۶  
 ۱۷۷  
 ۱۷۸  
 ۱۷۹  
 ۱۸۰  
 ۱۸۱  
 ۱۸۲  
 ۱۸۳  
 ۱۸۴  
 ۱۸۵  
 ۱۸۶  
 ۱۸۷  
 ۱۸۸  
 ۱۸۹  
 ۱۹۰  
 ۱۹۱  
 ۱۹۲  
 ۱۹۳  
 ۱۹۴  
 ۱۹۵  
 ۱۹۶  
 ۱۹۷  
 ۱۹۸  
 ۱۹۹  
 ۲۰۰

۱۳۴

[illegible][illegible]

چند سال قبل در آن زمان که من در کلاس درس بودم و  
در کلاس درس بودم و در کلاس درس بودم

رسول کریم کا یہ پیش قدمی

۱۰۰  
 ۱۰۱  
 ۱۰۲  
 ۱۰۳  
 ۱۰۴  
 ۱۰۵  
 ۱۰۶  
 ۱۰۷  
 ۱۰۸  
 ۱۰۹  
 ۱۱۰  
 ۱۱۱  
 ۱۱۲  
 ۱۱۳  
 ۱۱۴  
 ۱۱۵  
 ۱۱۶  
 ۱۱۷  
 ۱۱۸  
 ۱۱۹  
 ۱۲۰  
 ۱۲۱  
 ۱۲۲  
 ۱۲۳  
 ۱۲۴  
 ۱۲۵  
 ۱۲۶  
 ۱۲۷  
 ۱۲۸  
 ۱۲۹  
 ۱۳۰  
 ۱۳۱  
 ۱۳۲  
 ۱۳۳  
 ۱۳۴  
 ۱۳۵  
 ۱۳۶  
 ۱۳۷  
 ۱۳۸  
 ۱۳۹  
 ۱۴۰  
 ۱۴۱  
 ۱۴۲  
 ۱۴۳  
 ۱۴۴  
 ۱۴۵  
 ۱۴۶  
 ۱۴۷  
 ۱۴۸  
 ۱۴۹  
 ۱۵۰  
 ۱۵۱  
 ۱۵۲  
 ۱۵۳  
 ۱۵۴  
 ۱۵۵  
 ۱۵۶  
 ۱۵۷  
 ۱۵۸  
 ۱۵۹  
 ۱۶۰  
 ۱۶۱  
 ۱۶۲  
 ۱۶۳  
 ۱۶۴  
 ۱۶۵  
 ۱۶۶  
 ۱۶۷  
 ۱۶۸  
 ۱۶۹  
 ۱۷۰  
 ۱۷۱  
 ۱۷۲  
 ۱۷۳  
 ۱۷۴  
 ۱۷۵  
 ۱۷۶  
 ۱۷۷  
 ۱۷۸  
 ۱۷۹  
 ۱۸۰  
 ۱۸۱  
 ۱۸۲  
 ۱۸۳  
 ۱۸۴  
 ۱۸۵  
 ۱۸۶  
 ۱۸۷  
 ۱۸۸  
 ۱۸۹  
 ۱۹۰  
 ۱۹۱  
 ۱۹۲  
 ۱۹۳  
 ۱۹۴  
 ۱۹۵  
 ۱۹۶  
 ۱۹۷  
 ۱۹۸  
 ۱۹۹  
 ۲۰۰

[illegible][illegible]

۱۔ اگر کوئی شخص اپنے گھر میں ایک کھانا پکانے لگا تو اس کے گھر میں  
 ۲۔ اگر کوئی شخص اپنے گھر میں ایک کھانا پکانے لگا تو اس کے گھر میں  
 ۳۔ اگر کوئی شخص اپنے گھر میں ایک کھانا پکانے لگا تو اس کے گھر میں  
 ۴۔ اگر کوئی شخص اپنے گھر میں ایک کھانا پکانے لگا تو اس کے گھر میں  
 ۵۔ اگر کوئی شخص اپنے گھر میں ایک کھانا پکانے لگا تو اس کے گھر میں  
 ۶۔ اگر کوئی شخص اپنے گھر میں ایک کھانا پکانے لگا تو اس کے گھر میں  
 ۷۔ اگر کوئی شخص اپنے گھر میں ایک کھانا پکانے لگا تو اس کے گھر میں  
 ۸۔ اگر کوئی شخص اپنے گھر میں ایک کھانا پکانے لگا تو اس کے گھر میں  
 ۹۔ اگر کوئی شخص اپنے گھر میں ایک کھانا پکانے لگا تو اس کے گھر میں  
 ۱۰۔ اگر کوئی شخص اپنے گھر میں ایک کھانا پکانے لگا تو اس کے گھر میں

۱۰۰  
 ۱۰۱  
 ۱۰۲  
 ۱۰۳  
 ۱۰۴  
 ۱۰۵  
 ۱۰۶  
 ۱۰۷  
 ۱۰۸  
 ۱۰۹  
 ۱۱۰

۱. ...  
 ۲. ...  
 ۳. ...  
 ۴. ...  
 ۵. ...  
 ۶. ...  
 ۷. ...  
 ۸. ...  
 ۹. ...  
 ۱۰. ...



# لائن پریس

ہسپتال روڈ لاہور

مطبوعات

یہ مطبوعات میں مفید اور نفع دہ

★ علمی تصانیف ★ سدا می

★ ریاضی اور

★ حالات حاضرہ پر بہترین کتابیں

★ دلچسپ نسخ عمری اور

★ غیر ملکی زبانوں سے تراجم اور

★ درسی کتابیں

شامل ہیں ان کا مطالعہ

فرداً شب

دفتر و فیکٹریوں تجارتی اداروں

اور سرکاری

منشیات ٹیٹلنگ اور سائنس میں

لائن پریس

ٹیلنگری ڈپو

لاہور

سے

مقابلہ ارزاں نرخوں پر

حاصل کیجئے۔

عمدہ طبعیت

قائم شدہ

۱۹۱۹

تارکاپتہ

لائن پریس

فون ۳۰۸۷

لائن پریس کا نام یاد رکھیے







احسان

B

بنی مارکہ حضرات

بزرگدریکے لایا تحفہ

الان آرٹ پریس

مال روڈ لاہور آخری روڈ عراچی

(اپنی نفیس طباعت کے لئے)

پکستان میں بہترین پریس شمار ہوتے ہیں  
ہر قسم کی تجارتی سٹیشنری طبع کرنے کیے ہمیں یاد فرمائیے

اطیف سنٹرل روڈ لاہور



اجملہ ملک سیانیوں کی صنعت میں حیرت انگیز اضافہ

# نیو ڈائمنڈ انک

جیاب یہ معاہدہ کر کے دنیا سے ت محبوب کرینگے۔ کہ خدقائے فضل  
سے ماہا مال سے تجارت کے بعد م فائزین پن کیسے ایک معیاری  
سیاہی ہارکٹ میں پیش کرتے ہیں یہ اپنی سرس خصوصیت کی حامل  
ہے جو کہ بھی غیر ملکی سیاہی میں نو بہ ہے۔

نیو ڈائمنڈ انک دو دن کی دیدہ زیب اور عمدہ ڈیزائن کی  
شیشیوں میں بند پاکستان کے ہر چھوٹے اور بڑے شہر میں جنرل مرچنٹ  
اور ٹیلیٹریس طلب فرمائیں۔

ملکی صنعت کو فروغ دے ملک میں رکھنا ہے

میسو فیکچررز، ڈق ڈائمنڈ پن پینسی نیلا گیند لاہور

نبوت کے مسئلہ پر ایک جواب  
علامہ تحف  
قول بلیغ  
نبوت کے مسئلہ پر ایک جواب  
علامہ تحف  
قول بلیغ  
نبوت کے مسئلہ پر ایک جواب  
علامہ تحف  
قول بلیغ

نبوت کے مسئلہ پر ایک جواب  
علامہ تحف  
قول بلیغ  
نبوت کے مسئلہ پر ایک جواب  
علامہ تحف  
قول بلیغ  
نبوت کے مسئلہ پر ایک جواب  
علامہ تحف  
قول بلیغ

گول بازار ربوہ میں انگریزی ادویات کی مکمل دکان



الکیمیستس

سے ادویات کنٹرول نرخوں پر خریدیں  
ہیٹڈ آفس میل روڈ لاہور فون ۳۲۹۱

اسمعیلیوں کی کپڑے کی مشہور دکان

ربائش گاہ  
فون ۲۵۰۰-۸

ملتان کلاتھ ہاؤس

ٹیلیفون  
نمبر ۲۵

ڈائریکٹ اپورٹرز — چوک بازار ملتان شہر —

نئے شاک میں اصل قسم کے سوڈا روڈ ۷۵ میٹریج میٹریٹ ٹو میٹریٹ کنوایر بروکٹ - عمدہ پرنٹ  
نئے ڈیزائنوں میں میٹریج روڈ ۷۵ میٹریٹ ٹو میٹریٹ کنوایر بروکٹ - عمدہ پرنٹ  
ہائیلن پرنٹ - ۷۵ میٹریٹ ٹو میٹریٹ کنوایر بروکٹ - عمدہ پرنٹ  
شیرف ریسے

میریٹر روڈ ۷۵ میٹریٹ ٹو میٹریٹ کنوایر بروکٹ - عمدہ پرنٹ









بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم

# سلسلہ کتب اسلام

معارف و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم

بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم

|  |  |  |
|--|--|--|
| بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم | بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم | بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم |
| بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم | بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم | بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم |
| بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم | بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم | بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم |
| بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم | بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم | بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم |

بچوں کی پرورش و تعلیم کے لیے ایک نیا مہم



# مطبوعات آرپی کوئٹہ

گورنر اس بلڈ اسٹریٹ  
 جس پر چھپنے کی اجازت ہے  
 اسلام اور باقی اسلام  
 کے متعلق  
 اہل مغرب کی ذہن میں غلط فہمی  
 تبدیلی کی کئی کئی مثالیں پیش  
 کر کے یہ کتاب پیشکش  
 ہے۔  
 مسیح مقدس بن ابوبکر  
 محمد ظفر اللہ خاں صاحب  
 آج ہماری دعا الٹ ہو  
 قسمت علیہ

اسلام کی حقیقت  
 اہم جماعت احمدیہ کا  
 لطیف لیگ  
 Why I believe  
 in Islam  
 حیدر آباد مسجد میں کہ اسلام کی غزیر  
 اور اس کی تعلیم کی برتری کے پیش  
 کر کے کہنے کے لئے مختصر و مفید سناری  
 توفیق حضرت علیہ السلام کی شایانہ  
 مسطورہ اور سری کتابوں کا مجموعہ  
 روزی فاروقی سیکرٹری

اشتراکی نظریات پر  
 فاضلہ نقیہ  
 کیونکہ کہ علی بیوہ نقیہ  
 Attitude of Islam  
 towards Communism  
 اسلام  
 حضرت مولانا عبد الرحمن  
 صاحب  
 سنی اہم مسجد لندن  
 مجلہ ۱۲

دعا صلیب کے بعد حضرت علیہ  
 نامی ہر قسم کی تعلیم سے  
 حیدرستان کی طرف توجہ  
 حیدرستان کے مکمل کاروبار میں  
 مدد مندوں میں سے حضرت علیہ  
 پر والدہ محمد خان بیوہ سری گرو  
 اندری گرو کا علی و تو تاد کا  
 کہنے کے لئے اور اس کے گروہ  
 کے تاد کا نقیہ دیا گیا ہے  
 قیمت فی نسخہ ۴  
 روزی ۱۲/۱۲  
 سیکرٹری ۱۲/۱۲

مکتبہ کا پتہ اور سٹیل اینڈرٹیس پیشکش کارپوریشن کوئٹہ

افادات مجربات حضرت حکیم مولوی نور محمد صاحب علیہ السلام  
 کے شاہ حکیم عبدالرحمن صاحب کا غانی و دانا قلم شدہ

|  |  |  |
|--|--|--|
| سوداگر اور باقی<br>فی قور و قور و قور<br>مکتبہ کوئٹہ | سوداگر اور باقی<br>فی قور و قور و قور<br>مکتبہ کوئٹہ | سوداگر اور باقی<br>فی قور و قور و قور<br>مکتبہ کوئٹہ |
| سوداگر اور باقی<br>فی قور و قور و قور<br>مکتبہ کوئٹہ | سوداگر اور باقی<br>فی قور و قور و قور<br>مکتبہ کوئٹہ | سوداگر اور باقی<br>فی قور و قور و قور<br>مکتبہ کوئٹہ |
| سوداگر اور باقی<br>فی قور و قور و قور<br>مکتبہ کوئٹہ | سوداگر اور باقی<br>فی قور و قور و قور<br>مکتبہ کوئٹہ | سوداگر اور باقی<br>فی قور و قور و قور<br>مکتبہ کوئٹہ |
| سوداگر اور باقی<br>فی قور و قور و قور<br>مکتبہ کوئٹہ | سوداگر اور باقی<br>فی قور و قور و قور<br>مکتبہ کوئٹہ | سوداگر اور باقی<br>فی قور و قور و قور<br>مکتبہ کوئٹہ |

الشركة الإسلامية لميد ريوہ  
 جواب کے قومی سرمایہ سے قائم ہے  
 اس کے دفتر متصل دفتر نظارت علیہ صوبہ  
 حضرت مسیح موعود علیہ السلام اور آپ کے شاہین مصلح موعود علیہ السلام  
 حضرت امیر المؤمنین خلیفہ المسیح اثنی عشری علیہ السلام رضوان اللہ تعالیٰ علیہ  
 مکتبہ اور دیگر علماء کے مکتبہ کی تصانیف خرید کریں  
 حضرت مسیح موعود علیہ السلام فرماتے ہیں  
 جو شخص ہماری کتابوں کو کم از کم تین دفعہ  
 نہیں پڑھتا اس میں ایک قسم کا کبر یا باجاتی  
 ہے۔

پیشکش کارپوریشن کوئٹہ







صحابی اول

محکم نو بقیہ

محب صادق



حضرت شیخ یعقوب علی صاحب دہلوی  
تات ۵۰۰۰  
۱۳۰۰ھ



حضرت مولانا نور الدین چشتی اولیٰ



حضرت اکبر علی صاحب  
تات ۱۰۰۰  
۱۳۰۰ھ



سیر الیون کے امیر پیر نور محمد حنیف الہامی سوری  
اپنے بیٹے کو کہتے کہ حضرت کو کہتے ہیں  
تو جوں جوں کہتے ہیں



سیر الیون کے امیر پیر نور محمد حنیف الہامی سوری  
اپنے بیٹے کو کہتے کہ حضرت کو کہتے ہیں  
تو جوں جوں کہتے ہیں



جامعہ اسلامیہ اسلامیہ کی ایک تصویر  
امام حسین علیہ السلام کی تصویر  
معدود احمد صاحب لکھنؤ میں لکھنؤ کے صاحب



سیر الیون کے امیر پیر نور محمد حنیف الہامی سوری  
اپنے بیٹے کو کہتے کہ حضرت کو کہتے ہیں  
تو جوں جوں کہتے ہیں



# بیت المصلح الموعود ایذا اللہ کی اولوالعزمی کا درخت مذہبوت

مشرق و مغرب میں وسیع میدانے پر مساجد کی تعمیر

ایک کاسیدنا حضرت المصلح الموعود  
ایده اللہ تعالیٰ کے چہرہ میں  
منہ پر ذریعہ کاکہ پر ۲۶۳  
مساجد تعمیر ہو چکی ہیں  
پاکستان، بھارت، برصغیر، عراق  
عراق، سیرالیون، مالدیو، بنگلہ دیش  
مالیسیا، انڈونیشیا، مشرقی افریقہ  
سنگاپور، ملائیشیا، برونائی، بھوٹان  
برما، اسرائیل



اگر اڑھائی سو مساجد یورپ  
میں تعمیر ہو جائیں تو اس  
کے چہرے پر خدا تعالیٰ  
کی تعمیر کی صدا بلند ہو سکتی  
ہے۔ جب یورپ میں  
اڑھائی سو مساجد تعمیر ہو جائیں گی  
تو وہاں کے سارے کفار و  
کاساتخراہاتے تعمیر کی صدا میں  
رہنے لگیں گے (المصلح الموعود)

## حضرت المصلح الموعود ایذا اللہ بنصرہ العزیز



مسجد بزرگ کی انتہائی قرب کا ایک منظر



مسجد بزرگ کی انتہائی قرب، عزیمت پر  
دور دور کی آمد صاحب حضور کے مقام کا شوق



مسجد اسلام کی انتہائی قرب کا ایک منظر



مسجد اسلام مشرقی افریقہ - انتہائی قرب کا ایک منظر

